BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (09.03.2025)

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE: 09.03.2025, PAGE-06

विश्वविद्यालय के बजट को मिलेगी मंजूरी

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में रविवार को न्यू टीचिंग एंड एफिलिएशन और वित्त समिति की बैठक होगी। वित्त समिति की बैठक में विश्वविद्यालय के करीब 100 करोड़ का बजट पास किया जाएगा। कुलपति प्रो. डीसी राय की अध्यक्षता में दोनों बैठक होगी।

बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष करीब 937 करोड़ का बजट पास हुआ था। इस वर्ष विश्वविद्यालय का बजट करीब 100 करोड़ का होगा। साथ ही यह लगभग 18 करोड़ घाटे का बजट होगा। सबसे अधिक वेतन, पेंशन मद में खर्च होंगे। वहीं एफलिएशन कमिटी की बैठक में 72 कालेजों के संबंधन पर फैसला होगा। साथ ही पांच पीजी विभागों की स्थापना पर भी निर्णय होगा।

स्नातक और पीजी में नामांकन के बदले 200 करोड़ की प्रतिपूर्ति राशि का दावा

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय स्नातक और पीजी में सभी वर्ग की छात्राओं और एससी-एसटी वर्ग के छात्रों से नामांकन के बदले प्रतिपूर्ति राशि के लिए राज्य सरकार को करीब दो सौ करोड़ का प्रस्ताव भेजेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे पहले विश्वविद्यालय की ओर से पिछले वर्ष 178.93 करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजा गया था, लेकिन अब तक विभाग की ओर से राशि प्राप्त नहीं हो सकी है। पिछले दिनों निदेशालय की ओर से सभी विश्वविद्यालयों को पत्र भेजकर प्रतिपूर्ति राशि के लिए प्रस्ताव मांगा गया था। इस आधार पर विश्वविद्यालय की ओर से स्नातक के लिए सत्र 2020-21 से 2024-25 तक और पीजी के लिए सत्र 2020-22 से 2023-25 में हुए नामांकन का रिकार्ड भेजा जाएगा। दूसरी ओर विश्वविद्यालय की ओर से अब भी उच्च शिक्षा में सभी वर्ग की छात्राओं और एससी- एसटी वर्ग के छात्रों से नामांकन शुल्क लिया जा रहा है। विश्वविद्यालय ने कहा है कि जब सरकार के स्तर से प्रतिपूर्ति राशि भेजी जाएगी तो उसे विद्यार्थियों के खाते में लौटा दिया जाएगा।

178.93 करोड़ का प्रस्ताव तैयार कर राज्य सरकार को भेजा गया था

पैट 2023 और 2024 एक साथ कराने की मांग

बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में एक ही साथ पैट 2023 और 2024 का आयोजन कराने की मांग उठने लगी है। नेट उत्तीर्ण शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से यह गुहार लगाई है कि एक ही साथ दोनों वर्ष के लंबित पैट का आयोजन किया जाए। इससे नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को कहीं भी जाने की जरूरत नहीं होगी और उनका समय भी बर्बाद नहीं होगा। पीजी छात्रावासों में रहने वाले छात्र इस मांग को लेकर शनिवार को विश्वविद्यालय पहुंचे और डीएसडब्ल्यू कार्यालय में इसकी मांग की। उन्होंने कहा कि अगर विश्वविद्यालय अपने समय से परीक्षा कराती है तो करीब आठ से दस महीने लगेंगे और ऐसे में नेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की वैधता समाप्त हो जाएगी।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 09.03.2025, PAGE-04

विवि. हाइकोर्ट के आदेश से स्नातक व पीजी छात्राओं की निःशुल्क पढ़ाई

एससी-एसटी छात्राओं की फीस प्रतिपूर्ति के लिए 200 करोड़ का दिया प्रस्ताव

उपमुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू की ओर से स्नातक व पीजी में एससी-एसटी छात्र सहित सभी वर्ग की छात्राओं की फीस प्रतिपूर्ति के लिए करीब 200 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है. सत्र 2020-21 से 2024-25 तक स्नातक व सत्र 2020-22 से 2023-25 तक पीजी में हुए एडमिशन के आधार पर प्रस्ताव बनाया गया है.

विवि ने पिछले साल जुलाई में ही 178.93 करोड़ का डिमांड भेजा था, लेकिन विभाग ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लेते हुए नाराजगी जतायी है.

कहा गया है कि अब तक डिमांड अप्राप्त है. साथ ही जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है. सरकार की ओर से पीजी तक एससी-एसटी छात्र व सभी वर्ग की छात्राओं को निशुल्क शिक्षा देने की घोषणा की गयी है. इसके लिये हाइकोर्ट से भी आदेश जारी हुआ है. पूर्व के वर्षों में भी विश्वविद्यालयों से स्नातक व पीजी में एडमिशन लेने वाले संबंधित वर्ग के छात्र-छात्राओं का डाटा मांगा गया, लेकिन एक समान फीस स्ट्रक्चर नहीं होने के कारण कॉलेज स्तर पर ही इसे अनदेखा कर दिया गया. कॉलेज और विभाग फीस लेते रहे, लेकिन सरकार के आदेश के बावजूद कभी डिमांड नहीं भेजी गयी. उच्च शिक्षा निदेशालय के संज्ञान में जब अनियमित फीस स्ट्रक्चर का मामला आया तो इसे एक समान करने का निर्देश जारी किया गया. सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को राजभवन से नोटिफाइड फीस ही वसूलने को कहा गया. अब इसी के आधार पर फीस प्रतिपूर्ति के लिए प्रस्ताव तैयार कर सरकार को भेजा जा रहा है

पीजी और स्नातक में हर सेमेस्टर के लिए भेजेंगे डिमांड

पीजी और स्नातक में अब सेमेस्टर सिस्टम लागू है. ऐसे में हर सेमेस्टर एडमिशन के बाद सरकार को डिमांड भेजनी होगी. स्नातक में सत्र 2022-25 तक तीन वर्षीय कोर्स संचालित था. उसके अनुसार एक सत्र में तीन साल की फीस जोड़ी गयी है. वहीं, 2023-27 से चार वर्षीय कोर्स सेमेस्टर सिस्टम के साथ लागू हो गया. इस सत्र के दो सेमेस्टर और सत्र 2024-28 के फर्स्ट सेमेस्टर के छात्रों के लिए डिमांड भेजी गयी है. इसी तरह पीजी के सत्र 2023-25 तक के लिए डिमांड तैयार की जा रही है. पीजी के सत्र 2024-26 में एडमिशन की प्रक्रिया अभी चल रही है.

विवि : दो सत्र का पीएचडी एडमिशन एक साथ कराएं

छात्रों ने डीएसडब्ल्यू के समक्ष रखी अपनी समस्या

उपमुख्य संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू में दो सत्रों का पीएचडी एडमिशन एक साथ कराने की मांग की जा रही है. नेट क्वालिफाई छात्रों ने पैट 2023 व 2024 के लिए आवेदन, परीक्षा व एडमिशन एक साथ कराने की मांग की है, ताकि सत्र नियमित किया जा सके. इसको लेकर छात्रों ने विवि के अधिकारियों से मिलकर अपनी समस्या बतायी.विवि के पीजी हॉस्टल में रहने वाले छात्र विवि पहुंचे थे. छात्रों ने डीएसडब्ल्यू से मिलकर दो सत्र का पीएचडी एडमिशन एक साथ कराने का अनुरोध किया है. छात्रों का कहना था कि नेट पीएचडी के लिए वे क्वालिफाई किये हैं. एक साल के अंदर ही उन्हें पीएचडी में रजिस्ट्रेशन कराना होगा.विश्वविद्यालय में अभी पैट 2023 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू होनी है, लेकिन नेट 2024 के छात्र उसमें शामिल नहीं हो सकेंगे. छात्रों का कहना था कि अभी जो स्थिति है, उसके मुताबिक पैट 2024 के लिए आठ से 10 महीने का इंतजार करना होगा. तब तक उनके नेट की वैलिडिटी खत्म हो जायेगी. विवि में समय पर पीएचडी एडमिशन नहीं होने से अधिकतर छात्रों को विवश होकर दूसरे विश्वविद्यालयों में एडमिशन लेना पड़ रहा है. डीएसडब्ल्यू प्रो आलोक प्रताप सिंह ने कहा कि छात्रों की समस्या से वह कुलपति को अवगत करायेंगे. उनकी सहमति के बाद ही कोई निर्णय हो सकेगा.